

शनिवार, 19 नवंबर 2016

19

हिन्दुस्तान

इक्फाई के छात्रों ने किया रक्तदान

रांची। रेडक्रॉस सोसाइटी के सहयोग से इक्फाई विवि में गुरुवार को रक्तदान शिविर लगा। विवि के संस्थापक एनजे यशस्वी की पांचवीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजन किया गया। मौके पर कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि रक्तदान किसी की जीवन को बचाने का सबसे बड़ा रास्ता है। यह हर सक्षम इंसान को करना चाहिए। चिकित्सा अधिकारी डॉ सुशील कुमार ने कहा कि रक्तदान के तीन घंटे बाद शरीर में दुबारा खून बनने लगता है। इससे किसी तरह का नुकसान नहीं होता है।

रांची, शनिवार 19 नवंबर, 2016

5

इक्फाई विवि में रक्तदान शिविर



रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय में शुक्रवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने रक्तदान किया। विश्वविद्यालय के संस्थापक एनजे

यशस्वी की पुण्यतिथि में मौके पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस मौके पर रिम्स के चिकित्सा अधिकारी डॉ सुशील कुमार ने कहा कि रक्तदान के तीन घंटे के भीतर

ही मानव शरीर में नये रक्त का निर्माण शुरू हो जाता है। इस मौके पर कुलपति प्रो ओआरएस राव ने विद्यार्थियों को एक नियमित अंतराल के बाद रक्तदान का आह्वान किया।

56 छात्र-छात्राओं ने किया रक्तदान

रांची : रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से ईक्फाई विवि में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में छात्र-छात्राओं व कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। यह रक्तदान शिविर ईक्फाई समूह के संस्थापक दिवंगत एन जे यशस्वी के पांचवी पुण्यतिथि पर आयोजित किया गया। इस मौके पर विवि के कुलपति प्रो ओ आर एस राव ने कहा कि रक्तदान मानव जाति के सेवा का सर्वोत्तम रूप है। इसके कारण जिंदगियां बचायी जा सकती हैं। रक्तदान कार्यक्रम में रिम्स के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुशील कुमार ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इसमें विवि 56 छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किया।

इक्फाइ विवि में लगा रक्तदान शिविर



रांची. रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से इक्फाइ विवि में शुक्रवार को रक्तदान शिविर लगाया गया. इक्फाइ समूह के संस्थापक स्व एनजे यशश्री की पांचवीं पुण्यतिथि पर आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों सहित कई कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया. कुल 56 यूनिट रक्त एकत्रित किये गये. इस अवसर पर विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव, रिम्स के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुशील कुमार सहित रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य, चिकित्सीय टल आदि उपस्थित थे.